ESTATE EXPRESS

मेकर भवन फाउंडेशन द्वारा विश्वकर्मा अवाड्र्स 2025 के विजेताओं को किया गया सम्मानित

इंदौर। मेकर भवन फाउंडेशन द्वारा आईआईटी इंदौर में विश्वकर्मा अवाड्र्स 2025 का सफलतापूर्वक समापन हुआ। मुख्य अतिथि डॉ. हेमंत कनाकिया, आईआईटी इंदौर के निदेशक प्रोफेसर सुहास जोशी और मेकर भवन फाउंडेशन के प्रेसिडेंट व सीईओ श्री गौतम खन्ना की मौजूदगी में हुए ग्रैंड फिनाले के साथ क्रॉस-बॉर्डर इनोवेशन यात्रा का समापन हुआ, जिसमें भारत और सार्क देशों के कुछ सबसे होनहार छात्र इनोवेटर एक साथ आए।

हार्डवेयर पर फोकस वाले चैलेंज के तौर पर डिज़ाइन किए गए ये अवॉड्र्स छात्रों के इनोवेशन आइडिया को असल दुनिया में लागू करने के लिए बनाए गए हैं। 2025 एडिशन में भारत, नेपाल, बांग्लादेश, भूटान और श्रीलंका के 3,600 अंडरग्रेजुएट और पोस्टग्रेजुएट एसटीईएम छात्रों ने भाग लिया। 1,000 टीमों के शुरुआती ग्रुप में से, नौ महीने के प्रोटोटाइपिंग, टेक्निकल इवैल्यूएशन और एक्सपर्ट मेंटरिंग के बाद, मुकाबला 12 फाइनलिस्ट टीमों तक सीमित रह गया।

फाइनल प्रदर्शन में, शॉर्टलिस्ट की गई टीमों ने हीलटेक, स्मार्ट मोबिलिटी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के वर्किंग हार्डवेयर प्रोटोटाइप पेश किए, जिसमें एआई को स्टैंडअलोन सॉफ्टवेयर लेयर के तौर पर रखने के बजाय सीधे फिजिकल सिस्टम में एम्बेड करने पर ज़ोर दिया गया। स्मार्ट मोबिलिटी श्रेणी में, विवेकानंद एजुकेशन सोसाइटी के इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी की टीम वायु-सेतु, जिसमें हर्ष तेजवानी और मोहम्मद उज्जैनवाला शामिल थे, ने पहला स्थान जीता, उसके बाद एडमास यूनिवर्सिटी की टीम विहंग ने दूसरा स्थान हासिल किया, जिसमें कमरुज्जमां मोंडल, शांभवी शेखर सिंह, प्रीतम देबनाथ और सृष्टि पॉल शामिल थे। इंटेलिजेंट मशीन श्रेणी में, आईआईटी बॉम्बे की टीम एडेप्टिव मॉड्यूलर आर्म्स, जिसमें आरव गुप्ता, पलाश पंगावहाने और जयदीप लोखंडे शामिल थे, ने पहला पुरस्कार जीता, जबकि आईआईटी इंदौर की टीम एक्वालूप, जिसमें अथर्व सुनील चव्हाण, दीक्षा जौरकर, कौशल गंगवार, के. रेड्डी मोहम्मद सादिक और वंश रुहेला शामिल थे, ने दूसरा स्थान हासिल किया। हीलटेक श्रेणी में, पहला पुरस्कार सी.आर. राव एडवांस्ड इंस्टीट्यूट ऑफ मैथमेटिक्स, स्टैटिस्टिक्स एंड कंप्यूटर साइंस की टीम सारथी को दिया गया, जिसमें बोलिसेट्टी सुब्बारायुडु, चिगुरु वरुण, गोलापल्ली शिवराज और शेख तौफीक शामिल थे, इसके बाद आईआईटी मंडी की टीम फ्लेक्सोगियर को दूसरा पुरस्कार दिया गया, जिसमें गर्व जैन, धैर्य शर्मा, मनित अरोड़ा, उत्कर्ष रंजन और अक्षदीप आनंद सूर्यवंशी शामिल थे।

इस पर, डॉ. हेमंत कनाकिया ने कहा, डिस्प्ले पर दिखाए गए हार्डवेयर प्रोटोटाइप की क्वालिटी एप्लाइड इंजीनियरिंग में छात्रों की मज़बूत नींव और ऐसे सॉल्यूशंस बनाने की सोच को दिखाती है जिन्हें इस्तेमाल किया जा सके। वे ऐसी समस्याओं को हल कर रहे हैं जिनके लिए इंजीनियरिंग जजमेंट, ट्रेड-ऑफ डिसिजन और सिस्टम लेवल की सोच की ज़रूरत होती है।

वहीं, श्री गौतम खन्ना ने कहा हार्डवेयर फर्स्ट सिस्टम के साथ काम करने का मतलब था कि छात्रों को असली तकनीकी समस्याओं का सामना करना पड़ा, जैसे हीलटेक एप्लीकेशन में सेंसर कैलिब्रेशन और सिग्नल नॉइज़ से लेकर स्मार्ट मोबिलिटी में पावर मैनेजमेंट और कंट्रोल सिस्टम तक और फिजिकल डिवाइस में एआई एम्बेड करते समय कंप्यूट और लेटेंसी को कड़ी लिमिट। टीमों को बार-बार डिज़ाइन और टेस्टिंग के ज़रिए इन चुनौतियों को हल करते हुए देखना, युवाओं से उभरने वाली इंजीनियरिंग स्किल और प्रॉब्लम-सॉल्विंग क्षमता की गहराई को दिखाता है।

आईआईटी इंदौर के निदेशक प्रोफेसर सुहास जोशी ने कहा- यह हार्डवेयर-केंद्रित चैलेंज उस तरह के डीप-टेक इनोवेशन का उदाहरण है जिसे हम बढ़ावा देना चाहते हैं – जहाँ आइडिया को मज़बूत, असल दुनिया के सिस्टम में बदला जाता है। हज़ार से ज़्यादा टीमों से लेकर कुछ चुनिंदा फाइनलिस्ट तक का यह सफ़र इस प्रोसेस की सख्ती और पूरे क्षेत्र के युवा इनोवेटर्स की प्रतिबद्धता को दिखाता है। आईआईटी इंदौर में, दृढ़ता से हमारा यह मानना है कि इंजीनियरिंग शिक्षा का भविष्य छात्रों को ऐसे आइडिया को इस्तेमाल होने वाली टेक्नोलॉजी में बदलने में मदद करने में है जो असल दुनिया और समाज की चुनौतियों का सामना करें। फाइनलिस्ट टीमों ने सिस्टम-लेवल की ज़बरदस्त सोच दिखाई है। ऐसी पहल इंडस्ट्री के लिए तैयार टैलेंट बनाने और समाज की ज़रूरतों को पूरा करने वाली टेक्नोलॉजी को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाती हैं।

ओपन कैटेगरी के अलावा, प्रतिभागियों ने इंडस्ट्री द्वारा तैयार किए गए प्रॉब्लम स्टेटमेंट्स पर काम किया, जिससे यह सुनिश्चित हुआ कि सॉल्यूशन में प्रासंगिकता, स्केलेबिलिटी और असल दुनिया में उपयोग में लाने की क्षमता हो।

फाइनलिस्ट टीमों को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर में समर्पित प्रोटोटाइपिंग सहायता और गहन टेक्निकल और एंटरप्रेन्योरशिप ट्रेनिंग में हिस्सा लेने का मौका मिला है, जिसमें प्रोटोटाइप को बेहतर बनाने, पिच डेवलप करने और प्रेज़ेंटेशन की तैयारी पर फोकस किया गया है।

विश्वकर्मा अवाड्र्स 2025 ने मेकर भवन फाउंडेशन की ऐसे प्लेटफॉर्म बनाने की प्रतिबद्धता को फिर से सुनिश्चित किया जो प्रैक्टिस के लिए तैयार इंजीनियरों और उद्यमियों को सहायता करते हैं, साथ ही पूरे भारत और सार्क देशों के छात्रों के लिए स्ट्रक्चर्ड इनोवेशन के अवसरों तक पहुंच का विस्तार करते हैं।

DAINIK BHASKAR

आईआईटी में विश्वकर्मा अवॉर्ड्स 2025; सार्क देशों के इनोवेटर्स ने दिखाया दम

1,000 टीमों में से टेक्निकल इवैल्यूएशन और एक्सपर्ट मेंटरिंग के बाद 12 फाइनल में

भास्कर संवाददाता | इंदौर

आईआईटी इंदौर में मेकर भवन फाउंडेशन द्वारा आयोजित विश्वकर्मा अवॉर्ड्स 2025 का ग्रैंड फिनाले हुआ। मुख्य अतिथि डॉ. हेमंत कनाकिया, निदेशक प्रो. सुहास जोशी और मेकर भवन फाउंडेशन के प्रेसिडेंट व सीईओ गौतम खत्रा विशेष रूप से मौजूद रहे। इस आयोजन के साथ भारत और सार्क देशों के छात्रों की क्रॉस-बॉर्डर इनोवेशन यात्रा का समापन हुआ।

हार्डवेयर केंद्रित इस प्रतियोगिता का उद्देश्य छात्रों के इनोवेशन आइडियाज को असल दुनिया में उपयोगी तकनीक में बदलना रहा। 2025 संस्करण में भारत, नेपाल, बांग्लादेश, भूटान और श्रीलंका के 3,600 से अधिक अंडरग्रेजुएट और पोस्टग्रेजुएट छात्रों ने भाग लिया। शुरुआती 1,000 टीमों में से नौ महीने की कड़ी प्रक्रिया- प्रोटोटाइपिंग, टेक्निकल इवैल्यूएशन और एक्सपर्ट मेंटरिंग के बाद 12 टीमें फाइनल तक पहुंचीं। फाइनल राउंड में टीमों ने हेल्थटेक, स्मार्ट मोबिलिटी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से जुड़े वर्किंग हार्डवेयर प्रोटोटाइप प्रस्तुत किए। खास बात यह रही कि एआई को केवल सॉफ्टवेयर तक सीमित न रखकर उसे सीधे फिजिकल सिस्टम में एम्बेड किया गया।

टीम वायु सेतु को मिला पहला स्थान

- स्मार्ट मोबिलिटी श्रेणी में विवेकानंद एजुकेशन सोसाइटी के इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी की टीम वायु सेतु ने पहला स्थान हासिल किया।
- एडमास यूनिवर्सिटी की टीम दूसरे स्थान पर रही।
- इंटेलिजेंट मशीन श्रेणी में आईआईटी बॉम्बे की टीम एडेप्टिव मॉड्यूलर आर्म्स विजेता बनी, वहीं आईआईटी इंदौर की टीम एक्वालूप ने दूसरा पुरस्कार जीता।
- हेल्थटेक श्रेणी में पहला पुरस्कार सी.आर. राव एडवांस्ड इंस्टीट्यूट की टीम सारथी को मिला, जबकि दूसरा स्थान आईआईटी मंडी की टीम फ्लेक्सोगियर ने प्राप्त किया।

तकनीकी चुनौतियों से रूबरू कराया

मुख्य अतिथि डॉ. हेमंत कनाकिया ने कहा, प्रस्तुत किए गए प्रोटोटाइप छात्रों की एप्लाइड इंजीनियरिंग में मजबूत पकड़ और सिस्टम-लेवल सोच को दर्शाते हैं। वहीं गौतम खत्रा ने बताया, हार्डवेयर-फर्स्ट अप्रोच ने छात्रों को वास्तविक तकनीकी चुनौतियों से रूबरू कराया, जिससे उनकी समस्या-समाधान क्षमता और इंजीनियरिंग स्किल और निखरकर सामने आई।

डीप-टेक इनोवेशन को बढ़ावा देने का उदाहरण

आईआईटी इंदौर के निदेशक प्रो. जोशी ने कहा, यह आयोजन डीप-टेक इनोवेशन को बढ़ावा देने का सशक्त उदाहरण है, जहां विचारों को समाज और उद्योग के लिए उपयोगी तकनीक में बदला जा रहा है। उन्होंने कहा, ऐसी पहल भविष्य के इंडस्ट्री-रेडी इंजीनियर और उद्यमी तैयार करने में अहम भूमिका निभाती है। छात्रों ने ओपन कैटेगरी के साथ-साथ इंडस्ट्री द्वारा दिए गए प्रॉब्लम स्टेटमेंट्स पर भी काम किया। फाइनलिस्ट टीमों को आईआईटी इंदौर में प्रोटोटाइपिंग सपोर्ट, टेक्निकल और एंटरप्रेन्योरशिप ट्रेनिंग का अवसर मिलेगा।

CHAITANYA LOK

मेकर भवन फाउंडेशन द्वारा विश्वकर्मा अवार्ड्स 2025 के विजेताओं को किया गया सम्मानित

चैतन्य लोक • इंदौर
chaitanyalok.page

मेकर भवन फाउंडेशन द्वारा आईआईटी इंदौर में विश्वकर्मा अवार्ड्स 2025 का सफलतापूर्वक समापन हुआ। मुख्य अतिथि डॉ. हेमंत कनाकिया, आईआईटी इंदौर के निदेशक प्रोफेसर सुहास जोशी और मेकर भवन फाउंडेशन के प्रेसिडेंट व सीईओ श्री गौतम खन्ना की मौजूदगी में हुए ग्रैंड फिनाले के साथ क्रॉस-बॉर्डर इनोवेशन यात्रा का समापन हुआ, जिसमें भारत और सार्क देशों के कुछ सबसे होनहार छात्र इनोवेटर एक साथ आए।

हार्डवेयर पर फोकस वाले चैलेंज के तौर पर डिजाइन किए गए ये अवॉर्ड्स छात्रों के इनोवेशन आइडिया को असल दुनिया में लागू करने के लिए बनाए गए हैं। 2025 एडिशन में भारत, नेपाल, बांग्लादेश, भूटान और श्रीलंका के 3,600 अंडरग्रेजुएट और पोस्टग्रेजुएट एसटीईएम छात्रों ने भाग लिया। 1,000 टीमों के शुरुआती ग्रुप में से, नौ महीने के प्रोटोटाइपिंग, टेक्निकल इवैल्यूएशन और एक्सपर्ट मेंटरिंग के बाद, मुकाबला 12 फाइनलिस्ट टीमों तक सीमित रह गया। फाइनल प्रदर्शन में, शॉर्टलिस्ट की गई टीमों ने हेल्थटेक, स्मार्ट मोबिलिटी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के वर्किंग हार्डवेयर प्रोटोटाइप पेश किए, जिसमें एआई को स्टैंडअलोन सॉफ्टवेयर लेयर के तौर पर रखने के बजाय सीधे फिजिकल सिस्टम में एम्बेड करने पर जोर दिया गया। स्मार्ट मोबिलिटी श्रेणी में, विवेकानंद एजुकेशन सोसाइटी के इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (VESIT) की टीम VAYU-SETU, जिसमें हर्ष तेजवानी और मोहम्मद उज्जैनवाला शामिल थे, ने पहला स्थान जीता, उसके बाद एडमास यूनिवर्सिटी की टीम VIHANO ने दूसरा स्थान हासिल किया, जिसमें कमरुज्जमां मोंडल, शांभवी शेखर सिंह, प्रीतम देबनाथ और सृष्टि पॉल शामिल थे। इंटेलिजेंट मशीन श्रेणी में, आईआईटी बॉम्बे की टीम एडेप्टिव मॉड्यूलर आर्म्स, जिसमें आरव गुप्ता, पलाश पंगावहाने और जयदीप लोखंडे शामिल थे, ने पहला पुरस्कार जीता, जबकि आईआईटी इंदौर की टीम एक्वालूप, जिसमें अथर्व सुनील चव्हाण, दीक्षा जौरकर, कौशल गंगवार, के. रेड्डी मोहम्मद सादिक और वंश रुहेला शामिल थे, ने दूसरा स्थान हासिल किया। हेल्थटेक श्रेणी में, पहला पुरस्कार सी.आर. राव एडवांस्ड इंस्टीट्यूट ऑफ मैथमेटिक्स, स्टैटिस्टिक्स एंड कंप्यूटर साइंस की टीम सारथी को दिया गया, जिसमें बोलिसेट्टी सुब्बारायुडु, चिगुरु वरुण, गोलापल्ली शिवराज और शेख तौफीक शामिल थे, इसके बाद आईआईटी मंडी की टीम फ्लेक्सोगियर को दूसरा पुरस्कार दिया गया, जिसमें गर्व जैन, धैर्य शर्मा, मनित अरोड़ा, उत्कर्ष रंजन और अक्षदीप आनंद सूर्यवंशी शामिल थे। इस पर, डॉ. हेमंत कनाकिया ने कहा, 'डिस्प्ले पर दिखाए गए हार्डवेयर प्रोटोटाइप की क्वालिटी एप्लाइड इंजीनियरिंग में छात्रों की मजबूत नींव और ऐसे सॉल्यूशंस बनाने की सोच को दिखाती है जिन्हें इस्तेमाल किया जा सके। वे ऐसी समस्याओं को हल कर रहे हैं जिनके लिए इंजीनियरिंग जजमेंट, ट्रेड-ऑफ डिसिजन और सिस्टम लेवल की सोच की जरूरत होती है।' वहीं, श्री गौतम खन्ना ने कहा 'हार्डवेयर फर्स्ट सिस्टम के साथ काम करने का मतलब था कि छात्रों को असली तकनीकी समस्याओं का सामना करना पड़ा, जैसे हेल्थटेक एप्लीकेशन में सेंसर कैलिब्रेशन और सिग्नल नॉइज से लेकर स्मार्ट मोबिलिटी में पावर मैनेजमेंट और कंट्रोल सिस्टम तक और फिजिकल डिवाइस में एआई एम्बेड करते समय कंप्यूट और लेटेंसी की कड़ी लिमिट। टीमों को बार-बार डिजाइन और टेस्टिंग के जरिए इन चुनौतियों को हल करते हुए देखना, युवाओं से उभरने वाली इंजीनियरिंग स्किल और प्रॉब्लम-सॉल्विंग क्षमता की गहराई को दिखाता है।' आईआईटी इंदौर के निदेशक प्रोफेसर सुहास जोशी ने कहा: 'यह हार्डवेयर-केंद्रित चैलेंज उस तरह के डीप-टेक इनोवेशन का उदाहरण है जिसे हम बढ़ावा देना चाहते हैं - जहाँ आइडिया को मजबूत, असल दुनिया के सिस्टम में बदला जाता है। हजार से ज्यादा टीमों से लेकर कुछ चुनिंदा फाइनलिस्ट तक का यह सफर इस प्रोसेस की सख्ती और पूरे क्षेत्र के युवा इनोवेटर्स की प्रतिबद्धता को दिखाता है। आईआईटी इंदौर में, दृढ़ता से हमारा यह मानना है कि इंजीनियरिंग शिक्षा का भविष्य छात्रों को ऐसे आइडिया को इस्तेमाल होने वाली टेक्नोलॉजी में बदलने में मदद करने में है जो असल दुनिया और समाज की चुनौतियों का सामना करें।

FREE PRESS

Vishwakarma Awards 2025: Where student ideas turned real

IIT Indore hosts grand finale showcasing hardware-led solutions from top teams across India and SAARC nations.

Winners receive the prize cheque during the grand finale of Vishwakarma Awards 2025, organised by Maker Bhavan Foundation at IIT Indore

Our Staff Reporter
INDORE

Maker Bhavan Foundation concluded the Vishwakarma Awards 2025 at IIT Indore on Saturday, marking the end of a rigorous, hardware-focused innovation challenge that drew participation from 3,600 STEM students across India and SAARC countries. The finale, attended by chief guest Dr Hemant Kanakia, IIT Indore director Prof Suhas Joshi and Maker Bhavan Foundation president and CEO Gautam Khanna, showcased 12 working prototypes shortlisted from an initial pool of 1,000 teams after 9 months of technical evaluations, mentoring and iterative prototyping.

This year's challenge emphasised real-world engineering—particularly the integration of artificial intelligence directly into physical systems rather than standalone software. Finalists presented solutions across HealTech, Smart Mobility and Intelligent Machines.

In Smart Mobility, Team VAYU-SETU from VESIT secured first place, followed by Team VIHANG from Adamas University. In the Intelligent Machines category, Team Adaptive Modular Arms from IIT Bombay won first prize, while Team Aqualoop from IIT Indore finished second. In HealTech, Team Sarathi from the C.R. Rao Advanced Institute of Mathematics, Statistics and Computer Science claimed first place, with Team FlexoGear from IIT Mandi as runners-up.

Dr Kanakia said the prototypes reflected strong applied engineering skills and system-level thinking, while Khanna highlighted the technical constraints students overcame from sensor calibration to power management and low-latency AI deployment. Prof Joshi emphasised that the competition exemplified deep-tech innovation and the value of student-driven hardware development.

Finalist teams will continue refining their prototypes through dedicated support at IIT Indore. The awards reaffirm Maker Bhavan Foundation's commitment to nurturing practice-ready engineers and expanding access to structured innovation programmes across the region.

THE FREE PRESS JOURNAL
Sun, 25 January 2026
https://epaper.freepressjournal.in/c/79

INDORE SAMACHAR

मेकर भवन फाउंडेशन द्वारा विश्वकर्मा अवार्ड्स 2025 के विजेताओं को किया गया सम्मानित

इंदौर! मेकर भवन फाउंडेशन द्वारा आईआईटी इंदौर में विश्वकर्मा अवार्ड्स 2025 का सफलतापूर्वक समापन हुआ। मुख्य अतिथि डॉ. हेमंत कनाकिया, आईआईटी इंदौर के निदेशक प्रोफेसर सुहास जोशी और मेकर भवन फाउंडेशन के प्रेसिडेंट व सीईओ श्री गौतम खन्ना की मौजूदगी में हुए ग्रैंड फिनाले के साथ क्रॉस-बॉर्डर इनोवेशन यात्रा का समापन हुआ, जिसमें भारत और सार्क देशों के कुछ सबसे होनहार छात्र इनोवेटर एक साथ आए।

हार्डवेयर पर फोकस वाले चैलेंज के तौर पर डिज़ाइन किए गए ये अवार्ड्स छात्रों के इनोवेशन आइडिया को असल दुनिया में लागू करने के लिए बनाए गए हैं। 2025 एडिशन में भारत, नेपाल, बांग्लादेश, भूटान और श्रीलंका के 3,600 अंडरग्रेजुएट और पोस्टग्रेजुएट एसटीईएम छात्रों ने भाग लिया। 1,000 टीमों के शुरुआती ग्रुप में से, नौ महीने के प्रोटोटाइपिंग, टेक्निकल इवैल्यूएशन और एक्सपर्ट मेंटरिंग के बाद, मुकाबला 12 फाइनलिस्ट टीमों तक सीमित रह गया।

फाइनल प्रदर्शन में, शॉर्टलिस्ट की गई टीमों ने हैल्थटेक, स्मार्ट मोबिलिटी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के वर्किंग हार्डवेयर प्रोटोटाइप पेश किए, जिसमें एआई को स्टैंडअलोन सॉफ्टवेयर लेयर के तौर पर रखने के बजाय सीधे फिजिकल सिस्टम में एम्बेड करने पर ज़ोर दिया गया। स्मार्ट मोबिलिटी श्रेणी में, विवेकानंद एजुकेशन सोसाइटी के इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी की टीम द्वन्द्व-स्थल, जिसमें हर्ष तेजवानी और मोहम्मद उज्जैनवाला शामिल थे, ने पहला स्थान जीता, उसके बाद एडमास यूनिवर्सिटी की टीम ने दूसरा स्थान हासिल किया, जिसमें कमरुज्जमां मोंडल, शांभवी शेखर सिंह, प्रीतम देबनाथ और सृष्टि पाल शामिल थे। इंटेलिजेंट मशीन श्रेणी में, आईआईटी बाम्बे की टीम एडेप्टिव मॉड्यूलर आर्म्स, जिसमें आरव गुप्ता, पलाश पंगाव्हाने और जयदीप लोखंडे शामिल थे, ने पहला पुरस्कार जीता, जबकि आईआईटी इंदौर की टीम एक्वालूप, जिसमें अथर्व सुनील नव्हाण, दीक्षा जौरकर, कौशल गंगवार, के. रेड्डी मोहम्मद सादिक और वंश रुहेला शामिल थे, ने दूसरा स्थान हासिल किया। हैल्थटेक श्रेणी में, पहला पुरस्कार सी.आर. राव एडवांस्ड इंस्टीट्यूट ऑफ मैथमेटिक्स, स्टैटिस्टिक्स एंड कंप्यूटर साइंस की टीम सारथी को दिया गया, जिसमें बोलिसेट्टी सुब्बारायुडु, निगुरु वरुण, गोलापल्ली शिवराज और शेख तौफीक शामिल थे, इसके बाद आईआईटी मंडी की टीम फ्लेक्सोमियर को दूसरा पुरस्कार दिया गया, जिसमें गर्व जैन, धैर्य शर्मा, मनित अरोड़ा, उत्कर्ष रंजन और अक्षदीप आनंद सूर्यवंशी शामिल थे।

इस पर, डॉ. हेमंत कनाकिया ने कहा, डिस्प्ले पर दिखाए गए हार्डवेयर प्रोटोटाइप की क्वालिटी एप्लाइड इंजीनियरिंग में छात्रों की मज़बूत नींव और ऐसे सॉल्यूशंस बनाने की सोच को दिखाती है जिन्हें इस्तेमाल किया जा सके। वे ऐसी समस्याओं को हल कर रहे हैं जिनके लिए इंजीनियरिंग जजमेंट, ट्रेड-ऑफ डिसिजन और सिस्टम लेवल की सोच की ज़रूरत होती है।

आईआईटी इंदौर के निदेशक प्रोफेसर सुहास जोशी ने कहा- यह हार्डवेयर-केंद्रित चैलेंज उस तरह के डीप-टेक इनोवेशन का उदाहरण है जिसे हम बढ़ावा देना चाहते हैं - जहाँ आइडिया को मज़बूत, असल दुनिया के सिस्टम में बदला जाता है।

ओपन कैटेगरी के अलावा, प्रतिभागियों ने इंडस्ट्री द्वारा तैयार किए गए प्रॉब्लम स्टेटमेंट्स पर काम किया, जिससे यह सुनिश्चित हुआ कि सॉल्यूशन में प्रासंगिकता, स्केलेबिलिटी और असल दुनिया में उपयोग में लाने की क्षमता हो।

PATRIKA

पानी की शुद्धता-गुणवत्ता जांचने छात्रों ने बनाया एआइ डिवाइस

इंदौर. आइआइटी इंदौर में शनिवार को आयोजित विश्वकर्मा अवॉर्ड समारोह में देशभर के आइआइटी और एनआइटी के छात्रों द्वारा विकसित नवाचारों को सम्मानित किया गया। कुल 3600 आइडिया और उनमें से चयनित 12 वर्किंग प्रोटोटाइप प्रोजेक्ट्स को पुरस्कार प्रदान किए गए। इस अवसर पर दिल्ली, मुंबई और लखनऊ के आइआइटी छात्रों द्वारा विकसित एनआर ड्रोन डिवाइस, जो बिना जीपीएस के कार्य करता है, तथा एआइ आधारित स्मार्ट फिजियोथेरेपी मशीन जैसे नवाचारों ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। आइआइटी इंदौर के छात्रों ने एआइ वाटर डिवाइस विकसित किया है। डिवाइस जानकारी देगा कि पानी पीने, हाथ धोने या बर्तन साफ करने जैसे किस उपयोग के लिए उपयुक्त है। इस नवाचार के लिए छात्रों को मेकर भवन फाउंडेशन द्वारा एक लाख रुपए तक के पुरस्कार से सम्मानित किया गया। आइआइटी इंदौर की एक्वालूप टीम के सदस्य अथर्व सुनील चव्हाण, दीक्षा जौरकर, कौशल गंगवार, के. रेड्डी, मोहम्मद सादिक और वंश रुहेला ने बताया, यह डिवाइस किसी भी जल स्रोत पर आसानी से लगाया जा सकता है। आइआइटी के डॉ. हेमंत कनाकिया ने बताया, वर्ष 2025 एडिशन में भारत, नेपाल, बांग्लादेश, भूटान और श्रीलंका के 3600 एसटीईएम छात्रों ने भाग लिया।

PEOPLES SAMACHAR

आईआईटी इंदौर में विश्वकर्मा अवॉर्ड्स का समापन, छात्रों को मिला सम्मान

स्मार्ट मोबिलिटी, हीलटेक और इंटेलिजेंट मशीन प्रोटोटाइप में छात्रों ने दिखाया हुनर

पीपुल्स संवाददाता • इंदौर
मो.नं. 9009585701

आईआईटी इंदौर में विश्वकर्मा अवॉर्ड्स-2025 ग्रहण करते स्टूडेंट्स।

मेकर भवन फाउंडेशन द्वारा आईआईटी इंदौर में आयोजित विश्वकर्मा अवॉर्ड्स 2025 का समापन शनिवार को हुआ। इस प्रतियोगिता में भारत और सार्क देशों के 3,600 अंडर ग्रेजुएट और पोस्ट ग्रेजुएट छात्रों ने हिस्सा लिया। नौ महीने की प्रोटोटाइपिंग, मेंटरिंग और तकनीकी मूल्यांकन के बाद 12 फाइनलिस्ट टीमों ने अपने वर्किंग हार्डवेयर प्रोटोटाइप पेश किए।

स्मार्ट मोबिलिटी श्रेणी में पहला पुरस्कार विवेकानंद एजुकेशन सोसाइटी के इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी की टीम वायु-सेतु (हर्ष तेजवानी, मोहम्मद उज्जैनवाला) को मिला। दूसरा स्थान एडमास यूनिवर्सिटी की टीम विहंग (कमरुज्जमां मोंडल, शांभवी शेखर सिंह, प्रीतम देबनाथ, सृष्टि पॉल) ने जीता। इंटेलिजेंट मशीन श्रेणी में पहला पुरस्कार IIT बॉम्बे की टीम एडेप्टिव मॉड्यूलर आर्म्स (आरव गुप्ता, पलाश पंगाव्हाने, जयदीप लोखंडे) को और दूसरा पुरस्कार आईआईटी इंदौर की टीम एक्सलूप (अथर्व सुनील चव्हाण, दीक्षा जौरकर, कौशल गंगवार, के. रेड्डी मोहम्मद सादिक, वंश रुहेला) को दिया गया। हीलटेक श्रेणी में पहला पुरस्कार सीआर राव एडवांस्ड इंस्टिट्यूट की टीम सारथी (बोलिसेट्टी सुब्बारायुडु, चिगुरु वरुण, गोलापल्ली शिवराज, शेख तौफीक) और दूसरा पुरस्कार IIT मंडी की टीम फ्लेक्सोगियर (गर्व जैन, धैर्य शर्मा, मनित अरोड़ा, उत्कर्ष रंजन, अक्षदीप आनंद सूर्यवंशी) को दिया गया। मुख्य अतिथि डॉ. हेमंत कनाकिया और मेकर भवन के सीईओ गौतम खन्ना थे। आईआईटी इंदौर के निदेशक प्रो. सुहास जोशी ने कहा कि यह हार्डवेयर-केंद्रित चुनौती छात्रों के डीप-टेक इनोवेशन और व्यावहारिक सोच को प्रदर्शित करती है। अवॉर्ड्स ने छात्रों को अपनी इनोवेशन क्षमता दिखाने का अवसर दिया।

PRAJATANTRA

मेकर भवन फाउंडेशन द्वारा 3,600 आइडिया, 12 वर्किंग प्रोटोटाइप अवार्ड्स का समापन

प्रजातंत्र संवाददाता | इंदौर

मेकर भवन फाउंडेशन द्वारा आईआईटी इंदौर में विश्वकर्मा अवार्ड्स 2025 का सफलतापूर्वक समापन हुआ। मुख्य अतिथि डॉ. हेमंत कनाकिया, आईआईटी इंदौर के निदेशक प्रोफेसर सुहास जोशी और मेकर भवन फाउंडेशन के प्रेसिडेंट व सीईओ श्री गौतम खन्ना की मौजूदगी में हुए ग्रैंड फिनाले के साथ क्रॉस-बॉर्डर इनोवेशन यात्रा का समापन हुआ, जिसमें भारत और सार्क देशों के कुछ सबसे होनहार छात्र इनोवेटर एक साथ आए।

हार्डवेयर पर फोकस वाले चैलेंज के तौर पर डिज़ाइन किए गए ये अवॉर्ड्स छात्रों के इनोवेशन आइडिया को असल दुनिया में लागू करने के लिए बनाए गए हैं। 2025 एडिशन में भारत, नेपाल, बांग्लादेश, भूटान और श्रीलंका के 3,600 अंडरग्रेजुएट और पोस्टग्रेजुएट एसटीईएम (STEM) छात्रों ने भाग लिया। 1,000 टीमों के शुरुआती ग्रुप में से, मुकाबला 12 फाइनलिस्ट टीमों तक सीमित रह गया।

फाइनल प्रदर्शन में, शॉर्टलिस्ट की गई टीमों ने हीलटेक (HEALTECH), स्मार्ट मोबिलिटी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के वर्किंग हार्डवेयर प्रोटोटाइप पेश किए, जिसमें एआई (AI) को स्टैंडअलोन सॉफ्टवेयर लेयर के तौर पर रखने के बजाय सीधे फिजिकल सिस्टम में एम्बेड करने पर ज़ोर दिया गया। स्मार्ट मोबिलिटी श्रेणी में, विवेकानंद एजुकेशन सोसाइटी के इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (VESIT) की टीम VAYU-SETU, जिसमें हर्ष तेजवानी और मोहम्मद उज्जैनवाला शामिल थे, ने पहला स्थान जीता, उसके बाद एडमास यूनिवर्सिटी की टीम VIHANG ने दूसरा स्थान हासिल किया, जिसमें कमरुज्जमां मोंडल, शांभवी शेखर सिंह, प्रीतम देबनाथ और सृष्टि पॉल शामिल थे। इंटेलिजेंट मशीन श्रेणी में, आईआईटी बॉम्बे की टीम एडेप्टिव मॉड्यूलर आर्म्स, जिसमें आरव गुप्ता, पलाश पंगाव्हाने और जयदीप लोखंडे शामिल थे, ने पहला पुरस्कार जीता, जबकि आईआईटी इंदौर की टीम एक्वालूप, जिसमें अथर्व सुनील चव्हाण, दीक्षा जौरकर, कौशल गंगवार, के. रेड्डी मोहम्मद सादिक और वंश रुहेला शामिल थे, ने दूसरा स्थान हासिल किया। हीलटेक श्रेणी में, पहला पुरस्कार सी.आर. राव एडवांस्ड इंस्टीट्यूट ऑफ मैथमेटिक्स, स्टैटिस्टिक्स एंड कंप्यूटर साइंस की टीम सारथी को दिया गया।

RAJ EXPRESS

उपलब्धि इंटेलिजेंट मशीन श्रेणी में, आईआईटी बॉम्बे की टीम को पहला, आईआईटी इंदौर की टीम को दूसरा स्थान

आइडिया को बदला जाता है मजबूत, असल दुनिया के सिस्टम में

● इंदौर/ राज न्यूज नेटवर्क

आईआईटी इंदौर में विश्वकर्मा अवॉर्ड्स का समापन शनिवार को हुआ। आईआईटी इंदौर के निदेशक प्रोफेसर सुहास जोशी ने कहा यह हार्डवेयर केंद्रित चैलेंज उस तरह के डीप-टेक इनोवेशन का उदाहरण है जिसे हम बढ़ावा देना चाहते हैं, जहां आइडिया को मजबूत, असल दुनिया के सिस्टम में बदला जाता है। हजार से ज़्यादा टीमों से लेकर कुछ चुनिंदा फायनलिस्ट तक का यह सफर इस प्रोसेस की सख्ती और पूरे क्षेत्र के युवा इनोवेटर्स की प्रतिबद्धता को दिखाता है। आईआईटी इंदौर में, दृढ़ता से हमारा यह मानना है कि इंजीनियरिंग शिक्षा का भविष्य छात्रों को ऐसे आइडिया को इस्तेमाल होने वाली टेक्नोलॉजी में बदलने में मदद करने में है जो असल दुनिया और समाज की चुनौतियों

का सामना करें। फायनलिस्ट टीमों ने सिस्टम-लेवल की ज़बरदस्त सोच दिखाई है। ऐसी पहल इंडस्ट्री के लिए तैयार टैलेंट बनाने और समाज की ज़रूरतों को पूरा करने वाली टेक्नोलॉजी को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाती हैं। फायनलिस्ट टीमों को आईआईटी इंदौर में समर्पित प्रोटोटाइपिंग सहायता और गहन टेक्निकल और एंटरप्रेन्योरशिप ट्रेनिंग में हिस्सा लेने का मौका मिला है, जिसमें प्रोटोटाइप को बेहतर बनाने, पिच डेवलप करने और प्रेजेंटेशन की तैयारी पर फोकस किया गया है।

वर्किंग हार्डवेयर प्रोटोटाइप किए पेश

मेकर भवन फाउंडेशन की ओर से आयोजित समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि डॉ. हेमंत कनाकिया, प्रोफेसर सुहास जोशी और सीईओ गौतम खन्ना उपस्थित थे। हार्डवेयर पर फोकस वाले चैलेंज के तौर पर डिजाइन किए गए यह अवॉर्ड्स छात्रों के इनोवेशन आइडिया को असल दुनिया में लागू करने के लिए बनाए गए हैं। फायनल प्रदर्शन में, शॉर्टलिस्ट की गई टीमों ने हीलटेक, स्मार्ट मोबिलिटी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के वर्किंग हार्डवेयर प्रोटोटाइप पेश किए, जिसमें एआई को स्टैंडअलोन सॉफ्टवेयर लेयर के तौर पर रखने के बजाय सीधे फिजिकल सिस्टम में एम्बेड करने पर ज़ोर दिया गया।

एक्वालूप ने दूसरा स्थान हासिल किया

इंटेलिजेंट मशीन श्रेणी में, आईआईटी बॉम्बे की टीम एडेप्टिव मॉड्यूलर आर्म्स ने पहला पुरस्कार और आईआईटी इंदौर की टीम एक्वालूप ने दूसरा स्थान हासिल किया। हीलटेक श्रेणी में आईआईटी मंडी की टीम फ्लेक्सोगियर को दूसरा पुरस्कार दिया गया। डॉ. कनाकिया ने कहा, डिस्प्ले पर दिखाए गए हार्डवेयर प्रोटोटाइप की क्वालिटी एप्लाइड इंजीनियरिंग में छात्रों की मजबूत नींव और ऐसे सॉल्यूशंस बनाने की सोच को दिखाती है जिन्हें इस्तेमाल किया जा सके। गौतम खन्ना ने कहा हार्डवेयर फर्स्ट सिस्टम के साथ काम करने का मतलब था छात्रों को असली तकनीकी समस्याओं का सामना करना पड़ा।

SAMAYGATI

मेकर भवन फाउंडेशन द्वारा 3,600 आइडिया व 12 वर्किंग प्रोटोटाइप के साथ विश्वकर्मा अवार्ड्स 2025 का समापन

इंदौर। मेकर भवन फाउंडेशन द्वारा आईआईटी इंदौर में विश्वकर्मा अवार्ड्स 2025 का सफलतापूर्वक समापन हुआ। मुख्य अतिथि डॉ. हेमंत कनाकिया, आईआईटी इंदौर के निदेशक प्रोफेसर सुहास जोशी और मेकर भवन फाउंडेशन के प्रेसिडेंट व सीईओ श्री गौतम खन्ना की मौजूदगी में हुए ग्रैंड फिनाले के साथ क्रॉस-बॉर्डर इनोवेशन यात्रा का समापन हुआ, जिसमें भारत और सार्क देशों के कुछ सबसे होनहार छात्र इनोवेटर एक साथ आए। हार्डवेयर पर फोकस वाले चैलेंज के तौर पर डिज़ाइन किए गए ये अवॉर्ड्स छात्रों के इनोवेशन आइडिया को असल दुनिया में लागू करने के लिए बनाए गए हैं। 2025 एडिशन में भारत, नेपाल, बांग्लादेश, भूटान और श्रीलंका के 3,600 अंडरग्रेजुएट और पोस्टग्रेजुएट एसटीईएम छात्रों ने भाग लिया। 1,000 टीमों के शुरुआती ग्रुप में से, नौ महीने के प्रोटोटाइपिंग, टेक्निकल इवैल्यूएशन और एक्सपर्ट मेंटरिंग के बाद, मुकाबला 12 फाइनलिस्ट टीमों तक सीमित रह गया। फाइनल प्रदर्शन में, शॉर्टलिस्ट की गई टीमों ने हीलटेक, स्मार्ट मोबिलिटी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के वर्किंग हार्डवेयर प्रोटोटाइप पेश किए, जिसमें एआई को स्टैंडअलोन सॉफ्टवेयर लेयर के तौर पर रखने के बजाय सीधे फिजिकल सिस्टम में एम्बेड करने पर ज़ोर दिया गया। स्मार्ट मोबिलिटी श्रेणी में, विवेकानंद एजुकेशन सोसाइटी के इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी की टीम VAYU-SET, जिसमें हर्ष तेजवानी और मोहम्मद उज्जैनवाला शामिल थे, ने पहला स्थान जीता, उसके बाद एडमास यूनिवर्सिटी की टीम VIHANG ने दूसरा स्थान हासिल किया, जिसमें कमरुज्जमां मोंडल, शांभवी शेखर सिंह, प्रीतम देबनाथ और सृष्टि पॉल शामिल थे। इंटेलिजेंट मशीन श्रेणी में, आईआईटी बॉम्बे की टीम एडेप्टिव मॉड्यूलर आर्म्स, जिसमें आरव गुप्ता, पलाश पंगाव्हाने और जयदीप लोखंडे शामिल थे, ने पहला पुरस्कार जीता, जबकि आईआईटी इंदौर की टीम एक्वालूप, जिसमें अथर्व सुनील चव्हाण, दीक्षा जौरकर, कौशल गंगवार, के. रेड्डी मोहम्मद सादिक और वंश रुहेला शामिल थे, ने दूसरा स्थान हासिल किया। हीलटेक श्रेणी में, पहला पुरस्कार सी.आर. राव एडवांस्ड इंस्टीट्यूट ऑफ मैथमेटिक्स, स्टैटिस्टिक्स एंड कंप्यूटर साइंस की टीम सारथी को दिया गया, जिसमें बोलिसेट्टी सुब्बारायुडु, चिगुरु वरुण, गोलापल्ली शिवराज और शेख तौफीक शामिल थे, इसके बाद आईआईटी मंडी की टीम फ्लेक्सोगियर को दूसरा पुरस्कार दिया गया, जिसमें गर्व जैन, धैर्य शर्मा, मनित अरोड़ा, उत्कर्ष रंजन और अक्षदीप आनंद सूर्यवंशी शामिल थे।

THE HITAVADA

Maker Bhavan Foundation conclude Vishwakarma Awards 2025 at IIT Indore

■ **Business Reporter**

MAKER Bhavan Foundation concluded Vishwakarma Awards 2025 at IIT Indore, marking culmination of a nine-month, hardware-focused innovation journey involving students from India and SAARC countries. Grand finale was held in presence of Dr Hemant Kanakia, Chief Guest, Professor Suhas Joshi, Director, IIT Indore and Gautam Khanna, President and CEO, Maker Bhavan Foundation. The 2025 edition engaged over 3,600 UG and PG STEM students from India, Nepal, Bangladesh, Bhutan and Sri Lanka. From nearly 1,000 teams, a rigorous process of prototyping, evaluation and expert mentoring shortlisted 12 finalist teams, who showcased working hardware prototypes in HealTech, Smart Mobility and Intelligent Machines, with a strong emphasis on embedding AI into physical systems. Top winners included Team VAYU-SETU (VESIT) in Smart Mobility, Team Adaptive Modular Arms (IIT Bombay) in Intelligent Machines, and Team Sarathi (CR Rao Institute) in HealTech. Runner-up positions were secured by teams from Adamas University, IIT Indore and IIT Mandi. Speakers highlighted students' applied engineering skills and system-level thinking. Finalists also received advanced prototyping support and entrepreneurship training at IIT Indore.

Awards reaffirm Maker Bhavan Foundation's commitment to nurturing practice-ready engineers and scalable, real-world innovations across the region.